

## मीडिया पैनलिस्टों के लिए IMPAR दिशानिर्देश

दिनांक: 11 जून, 2022, नई दिल्ली

मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है और यह सूचना प्रदान करने, जागरूकता और राय बनाने और ज्ञान आधारित समाज विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। लेकिन, दुर्भाग्य से, मीडिया के एक बड़े वर्ग ने गरमागरम और चीख पुकार वाली बहस के माध्यम से एक खास सोंच का निर्माण और घृणा सामग्री पैदा करने की भूमिका ग्रहण कर ली है। अफसोस की बात है कि टीवी स्क्रीन पर पारंपरिक मौलवी परिधानों में उनके आक्रामक व्यवहार के साथ मुस्लिम प्रतिनिधित्व ने मुसलमानों को अतार्किक और असहिष्णु के रूप में चित्रित करने का काम किया है। इसने एक समुदाय के रूप में मुसलमानों की छवि को अपूरणीय क्षति पहुंचाई है, जिसे बहुसांस्कृतिक समाजों के धार्मिक विश्वासों और मूल्यों में रहने और उनकी सराहना करने के लिए अनुपयुक्त के रूप में देखा जा रहा है। चर्चा का सिलसिला कुछ भी हो, थोड़ा सा उकसाना उनके लिए जाल में फंसने के लिए काफी है। IMPAR इन दिशानिर्देशों को जिम्मेदार व्यवहार और सूचित और स्वस्थ चर्चाओं को बढ़ावा देने में मदद करने के लिए जारी कर रहा है, खासकर राजनीति और धर्म से संबंधित मुद्दों पर।

1. मुस्लिम टेलीविजन पैनलिस्टों को अन्य समुदायों के धार्मिक विचारों का सम्मान करना चाहिए और यदि वे अपने धर्म और धार्मिक विश्वासों के लिए सम्मान चाहते हैं तो उन्हें कभी भी चुनौती या धार्मिक हमला नहीं करना चाहिए। उन्हें अन्य धर्मों के सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक मूल्यों और परंपराओं का सम्मान और सराहना करनी चाहिए।
2. धार्मिक मान्यताओं को वैज्ञानिक जांच के अधीन नहीं किया जा सकता है। धर्म, विश्वास, सांस्कृतिक मूल्यों और सामाजिक प्रथाओं के मामलों में बड़ी संवेदनशीलता शामिल है। उन पर कभी व्यंग्यात्मक सवाल न करें। कई बार एंकर का एजेंडा आपको भड़काना भी हो सकता है। क्या आप अपने आप को शांत रख सकते हैं और जाल में पड़ने से बच सकते हैं?
3. किसी भी बहस में शामिल होने से पहले अच्छे कपड़े पहनना और अच्छी तैयारी करना जरूरी है। लेकिन, अधिक महत्वपूर्ण है आप का वाद-विवाद शिष्टाचार, सामान्य शिष्टाचार और अच्छे व्यवहार का प्रदर्शन। हमेशा अंक हासिल करने के बजाय, बिंदु को व्यक्त करने पर ध्यान केंद्रित करें। यदि तथ्य ज्ञात नहीं हो तो मुस्कराना और आगे बढ़ना बेहतर है।
4. राजनीति या सरकार के प्रदर्शन पर बहस करते हुए कभी भी राष्ट्रीय हितों की रेखा को पार न करें। राष्ट्रीय हित राजनीति से ऊपर हैं। विषय या परिस्थिति कोई भी हो, विदेशी शक्तियों की टिप्पणियों की प्रशंसा करते हुए कभी नहीं देखा जाना चाहिए। हमें अपनी संस्थाओं की परिपक्वता में पूर्ण विश्वास रखना चाहिए।
5. वाद-विवाद में गरिमा बनाए रखना सबसे महत्वपूर्ण है, जिसके लिए धैर्य तथा एंकर और अन्य पैनलिस्टों के प्रति सम्मान रखने की आवश्यकता होती है। बिंदु का खंडन करें व्यक्ति का नहीं। कभी भी धार्मिक तुलना न करें या उपाख्यान न करें। समाज और राष्ट्र के बड़े उद्देश्य पर संरेखित करना बेहतर है।
6. बौद्धिक बहस के लिए बौद्धिक प्रतिक्रियाओं की आवश्यकता होती है। यदि आप नहीं कर सकते हैं, तो बेहतर होगा कि आप चुप रहें और आगे बढ़ें। तेज़ आवाज़ और आक्रामक व्यवहार से ध्यान आकर्षित करने का प्रयास न करें। पैनलिस्टों को सम्मान देने और सम्मान पाने के सुनहरे नियम का पालन करना चाहिए।
7. न तो शीर्ष नेता का नाम खींचें और न ही किसी बहस में किसी पंथ मुखिया का। एंकर या अन्य पैनलिस्टों की आक्रामकता का मुकाबला करने की कोशिश करने से बेहतर है अपनी शालीनता का परिचय दें। आपको पता होना चाहिए कि टीवी चैनलों पर अपमान केवल आपका नहीं है, बल्कि पूरे समुदाय को आपकी मूर्खता के लिए भुगतान करना पड़ता है।
8. विदेश नीति, रक्षा और आंतरिक सुरक्षा के मामलों में अतिरिक्त संवेदनशीलता की आवश्यकता है। कोई भी ढीली टिप्पणी नहीं की जानी चाहिए, ऐसे कोई आंकड़े उद्धृत करना या बोलना जो राष्ट्रीय हितों के खिलाफ हो सकता आपको बचना है। राजनीतिक दल, सरकार और राष्ट्रीय हितों के फर्क को समझना और इनके बीच स्पष्ट रेखा खींची जानी चाहिए।
9. पैनलिस्टों को पता होना चाहिए कि कुछ चैनल केवल अपने एजेंडे और टीआरपी को आगे बढ़ाने के लिए आपका उपयोग कर रहे हैं। क्या आप उनके हाथों का मोहरा बनने से इंकार कर सकते हैं? यदि आप जाने-अनजाने उनके एजेंडा पर काम कर रहे हैं, तो उद्देश्य के पूरा होने के बाद इस्तेमाल होने और शर्मनाक तरीके से बाहर निकलने के लिए तैयार रहें।
10. तथ्यों द्वारा किसी भी गलतफहमी को दूर करें या आक्रामक प्रतिक्रिया देने के बजाय, यदि जानकारी न हो, तो शांत रहे। गरिमा बनाए रखने के लिए पीछे हटना और क्षमा मांगना बेहतर है। अपनी आवाज और व्यवहार पर नियंत्रण रखें। केवल तभी भाग लें जब आप दर्शकों को तथ्य या सहजता और शांति जोड़ सकें।

डॉ। एमजे खान  
अध्यक्ष, इम्पार,  
+91-9560097890